हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

00515

जून, 2017

एम.एच.डी.-14 : हिन्दी उपन्यास-1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***पहला*** *और* ***छठा*** *प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) मेरे सिर कलंक का टीका लग गया और वह अब धोने से नहीं धुल सकता । मैं उसको या किसी को दोष क्यों दूँ ? यह सब मेरे कर्मों का फल है । आह ! एड़ी में कैसी पीड़ा हो रही है; यह काँटा कैसे निकलेगा ? भीतर उसका एक टुकड़ा टूट गया है । कैसा टपक रहा है । नहीं, मैं किसी को दोष नहीं दे सकती । बुरे कर्म तो मैंने किए हैं, उनका फल कौन भोगेगा ! विलास-लालसा ने मेरी यह दुर्गति की ।

(ख) नदी अपने पेटे में ही हलकोरें लिया करती थी । अब उसे उस प्रेम का स्वरूप कुछ मिटा हुआ, फीका, विकृत मालूम होता था । नदी उमड़ गई थी । पति-भक्ति का वह बाँध जो कुल-मर्यादा और आत्मगौरव पर आरोपित था, इस प्रेम-भक्ति की बाढ़ से टूट गया । भक्ति लौकिक बन्धनों को कब ध्यान में लाती है ? वह अब उन भावनाओं और कल्पनाओं को बिना किसी आत्मिक संकोच के हृदय में स्थान देती थी, जिन्हें वह पहले अग्नि-ज्वाला समझा करती थी ।

(ग) वे समझते हैं कि अँगरेज़ों का रहन-सहन और आचार-व्यवहार स्वजातीय है । उनके देश और जाति के अनुकूल है । लेकिन जब कोई हिन्दुस्तानी, चाहे किसी मत का हो, अँगरेज़ी आचरण करने लगता है, तो जनता उसे बिल्कुल गया-गुज़रा समझ लेती है । वह भलाई या बुराई के बन्धनों से मुक्त हो जाता है; उससे किसी को सत्कार्य की आशा नहीं होती; उसके कुकर्मों पर किसी को आश्चर्य नहीं होता । मैं यह कभी नहीं मानूँगा कि तुमने मेरी सम्मान रक्षा के लिए यह प्रयास किया है । तुम्हारा लक्ष्य केवल मेरे व्यापारिक लक्ष्यों का सर्वनाश करना है ।

(घ) यह समझ लीजिए कि जिस देश में स्त्रियों की जितनी अधिक स्वाधीनता है, वह देश उतना ही सभ्य है । स्त्रियों को क़ैद में, परदे में, या पुरुषों से कोसों दूर रखने का तात्पर्य यही निकलता है कि आपके यहाँ जनता इतनी आचार-भ्रष्ट है कि स्त्रियों का अपमान करने में जरा भी संकोच नहीं करती । युवकों के लिए राजनीति, धर्म, ललित-कला, साहित्य, दर्शन, इतिहास, विज्ञान और हज़ारों ही ऐसे विषय हैं, जिनके आधार पर वे युवतियों से गहरी दोस्ती पैदा कर सकते हैं । कामलिप्सा उन देशों के लिए आकर्षण का प्रधान विषय है, जहाँ लोगों की मनोवृत्तियाँ संकुचित रहती हैं ।

2. "प्रेमचंद साहित्य के क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा के रचनाकार थे ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *10*

3. 'ज्ञानशंकर' की चारित्रिक विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए । *10*

4. 'रंगभूमि' में व्यक्त आदर्शवाद के स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *10*

5. 'ग़बन' के प्रमुख नारी पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) प्रेमचंद की नारी दृष्टि

   (ख) 'रंगभूमि' में स्वाधीनता आंदोलन

   (ग) 'रमानाथ' का चरित्र

   (घ) 'सेवासदन' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

———